

---

# Shri Hanumadashtakam

---

## श्रीहनुमदष्टकम्

---

### Document Information



---

Text title : hanumadaShTakam 3

File name : hanumadaShTakam3.itx

Category : hanumaana, pradIptakumArananda, aShTaka

Location : doc\_hanumaana

Author : (Copyright) Pradipta Kumar Nanda, Kendrapara, Orisa pknanda65 at gmail.com

Transliterated by : Pradipta Kumar Nanda

Proofread by : Pradipta Kumar Nanda

Acknowledge-Permission: (Copyright) Pradipta Kumar Nanda

Latest update : September 15, 2020

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---


Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

February 2, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



श्रीहनुमदष्टकम्



विलोभनीयशेखरं महाप्रतापिवानरम् ।

त्रिलोकभक्तरञ्जनं भजे समीरनन्दनम् ॥ १ ॥

जगज्जनार्चितार्चितं जगज्जनानुमोदितम् ।

पुरारिनामजापकं नमामि रामसेवकम् ॥ २ ॥

विखण्डितं त्रिपातकं समीरणात्मजातकम् ।

विभीषणादिमण्डितं नमामि राममण्डितम् ॥ ३ ॥

कपीशयोगकारकं नखायुधारिघातकम् ।

निशाचरादिमारकं नमामि सामगायकम् ॥ ४ ॥

यशोवितानधारिणं प्रचण्डरौद्रलोचनम् ।

समस्तकष्टमोचनं नमामि वायुनन्दनम् ॥ ५ ॥

पिशङ्गपुच्छसुन्दरं गदास्त्रधारिवानरम् ।

जितेन्द्रियादिवन्दितं नमामि रामपालितम् ॥ ६ ॥


महासमुद्रलङ्घितं महोरगादिनाशितम् ।

प्रपञ्चभारहारकं नमामि विघ्नघातकम् ॥ ७ ॥


सुधामयूखधारकं विरोधिवर्गदारकम् ।

कृपाकटाक्षगोचरं नमामि भक्तनागरम् ॥ ८ ॥

इति प्रदीप्तकुमारनन्दशर्मविरचितं श्रीहनुमदष्टकं समाप्तम् ।

——  
*Shri Hanumadashtakam*

pdf was typeset on February 2, 2024

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

